जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015

3 ब

जैन विद्या भाग-3

समय : 2½ घण्टा | प्रश्न पत्र : भाग-ब | पूर्णांक 70

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनों प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

(A) संक्षिप्त उत्तर लिखें- *5×2= 10*

1. अरिष्टनेमि का जीव जब माता शिवारानी के गर्भ में आया तब उन्होंने स्वप्न में क्या देखा?
2. जंबु कुमार के साथ कौन-कौन व कुल कितने व्यक्ति दीक्षित हुए?
3. सामायिक के अतिचार कौन-कौन से है?
4. आठ साध्वी प्रमुखाओं के नाम बताएं?
5. अनेकान्त और स्याद्वाद में क्या अन्तर है?

(B) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें- *5×3= 15*

1. विजयगीत का एक पद ध्रुवपद के साथ लिखो।
2. चक्कि दुगं हरिपणगं, पणग चक्कीण केसवो चक्की। केसव चक्की केसव, दुचक्की केसव चक्कीय।। साध्वी महत्तराजी ने इसका क्या अर्थ बताया?
3. भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित तीन सिद्धान्तों की व्याख्या एक -एक वाक्य में करें।
4. साध्वी सरदारांजी ने जयाचार्य से किस सुधार के लिए प्रार्थना की?
5. कौन से देवता कल्पोपन्न और कल्पातीत होते हैं, इनमें क्या अन्तर है?
6. धर्मास्तिकाय और अधर्मास्तिकाय में क्या भेद है?

(C) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें- *5×4= 20*

1. जे मे जीवा... जीवियाओ ववरोविया तस्स मिच्छामि दुक्कड़ं चउविसत्थव के इरियावहियं सुतं के इस पद को पूरा लिखो।
2. कालु तत्त्व शतक का चौबीसवां बोल लिखो।
3. भिक्षु चरमोत्सव के बारे में आप क्या जानते हैं?
4. दर्शन के आठ आचार लिखें।
5. किन्हीं दो गणधरों के बारे में संक्षिप्त में लिखें।
6. प्रभव साधु बनने के लिए लालायित क्यों हो गया?

D. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें- *3×5= 15*

1. महावीर वाणी सूक्त के शिक्षा पद अर्थ सहित लिखो।
2. शब्दार्थ लिखिए (कोई पांच)-
   (1) मच्छगलागल (2) सामायिक (3) सीरणी
   (4) आभिग्राहिक (5) अहमिन्द्र (6) लाघव
3. बोहिदयाणं से आगे की पाटी को पूर्ण करें।

E. निबंधात्मक प्रश्न (कोई एक) *1×10= 10*

1. महावीर का मेघकुमार को ज्ञानदान कथा अपने शब्दों में लिखें।
2. तीर्थंकर मल्लिकुमारी पाठ में वर्णित वृतान्त को विस्तार से बताइये।